

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

June, 2017

00006

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all the five questions.*
(ii) *All the questions carry equal marks.*
(iii) *Answers to question No. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. Explain the Meaning, Nature and various stages of Religion. 20

OR

Write an Essay on the problem of Atheism. 20

2. Describe the role of language in Sacred Function of Religion. 20

OR

What is Religious Pluralism ? Explain some practical responses to Religious Pluralism. 20

3. Answer any two of the following in about 200 words each :
- (a) What is the Notion of God according to Immanuel Kant ? 10
 - (b) Explain the psychological origin of religion. 10
 - (c) Explain St. Thomas Aquinas' Analytical way to prove the Existence of God. 10
 - (d) Write a short note on religious fundamentalism. 10
4. Answer any four of the following in about 150 words each :
- (a) What do you mean by Naturalistic Forms of Religions ? 5
 - (b) How does Rudolf Otto experience the Holy ? 5
 - (c) Discuss Descartes' Argument for the Existence of God. 5
 - (d) Explain the Natural Attributes of God. 5
 - (e) What are the Important Aspects of religious Experience ? 5
 - (f) How is Religion viewed in post-modernism ? 5
5. Write short notes on any five of the following in about 100 words each :
- (a) Polytheism 4
 - (b) Oedipus complex 4
 - (c) Empiricism 4
 - (d) Agnosticism 4
 - (e) Offering 4
 - (f) Marx' views on religion 4
 - (g) Religious Toleration 4
 - (h) Religion of humanity 4
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्मदर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. धर्म के अर्थ, स्वरूप और विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

निरीश्वरवाद की समस्या पर निबन्ध लिखिए। 20

2. धर्म के पवित्र कार्यों में भाषा की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

धार्मिक बहुलतावाद क्या है? धार्मिक बहुलतावाद के प्रति कुछ 20
व्यवहारिक प्रतिक्रियाओं की व्याख्या कीजिए।

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

- (a) इमेन्यूअल कांट की ईश्वर की अवधारणा क्या है? स्पष्ट करें। 10
- (b) धर्म की मनोवैज्ञानिक उत्पत्ति की व्याख्या कीजिए। 10
- (c) ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए सेंट थॉमस एक्वीनास द्वारा प्रयुक्त विश्लेषणात्मक ढंग की व्याख्या कीजिए। 10
- (d) धार्मिक कट्टरपन पर टिप्पणी कीजिए। 10

4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

- (a) धर्म के प्राकृतिकवादी रूप से आप क्या समझते हैं? 5
- (b) रूडोल्फ आँटो पवित्र (Holy) का अनुभव कैसे करते हैं? 5
- (c) ईश्वर की सिद्धि में प्रस्तुत देकार्त के तर्क को स्पष्ट कीजिए। 5
- (d) ईश्वर के प्राकृतिक गुणों की व्याख्या करें। 5
- (e) धार्मिक अनुभव के महत्वपूर्ण पक्ष कौन-से हैं? 5
- (f) उत्तराधुनिकतावाद में धर्म को कैसे देखा जाता है? 5

5. किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। प्रत्येक का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

- | | |
|------------------------------|---|
| (a) बहुदेववाद | 4 |
| (b) ऑडिपस काम्प्लैक्स | 4 |
| (c) अनुभववाद | 4 |
| (d) अज्ञेयवाद | 4 |
| (e) भेंट (Offering) | 4 |
| (f) धर्म पर मार्क्स के विचार | 4 |
| (g) धार्मिक सहिष्णुता | 4 |
| (h) मानवता का धर्म | 4 |
-